बड़ी खबर : जेवर एयरपोर्ट का 52% निर्माण पूरा, मिलेंगी दुनिया की सबसे हाईटेक सुविधाएं

ग्रेटर नोएडा | Aug 17, 2023 13:20 | Mayank Tawer |

Follow us on Google News

Tricity Today | Symbloic Image

Greater Noida : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम काफी तेजी के साथ चल रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक अभी तक जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम 52% पूरा हो गया है। जिसमें सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देश की हाईटेक सुविधा होगी। इसको लेकर संबंधित अधिकारी लगातार विदेश जा रहे हैं और विदेशी एयरपोर्ट का जायजा लेकर तकनीकी को बारीकी से देख रहे हैं। जो भी बेहतर सुविधा दिखती है, उसको जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लागू करने के लिए प्रयास किया जा रहे हैं।

अंशधारिता को 3000 करोड़ रुपए तक बढ़ाया

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की बोर्ड बैठक इस बार स्विट्जरलैंड में हुई थी। जिसमें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ डॉ.अरुणवीर सिंह भी मौजूद रहे। स्विट्जरलैंड में हुई बोर्ड बैठक में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में जूरिक एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की अंशधारिता को बढ़ा दिया गया है। अभी तक यह अंशधारिता 2000 करोड़ रुपए थी, जिसको बढ़ाकर 3000 करोड़ रुपए कर दिया है।

कॉमन होल्डिंग एरिया होगा

अगर कोई यात्री अहमदाबाद से जेवर एयरपोर्ट आ गए। यहां से आप कनेक्टिंग फ्लाइट लेंगे। आप एयरपोर्ट के अंदर हैं और बाहर नहीं गए हैं। इसलिए यहां पर चेक इन नहीं होगा। यह सुविधा दिल्ली एयरपोर्ट नहीं मिलती है। दिल्ली में दोबारा चेक इन कराना पड़ता है। जेवर में इस सुविधा को शुरू करने की बात हो रही है। इसके अलावा जेवर एयरपोर्ट में ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन बनाने की योजना है। यहां पर एक जगह से आने-जाने के कई विकल्प रहेंगे, यानि एक जगह से बस, टैक्सी, पॉड टैक्सी आदि मिल सकेंगी। अभी इसको अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ऑटोमेटिक जाएगा सामान

यात्री अपने साथ सामान लेकर यात्रा करते हैं। यह सामान एयरपोर्ट में मैनुअल तरीके से पहुंचाया जाता है। जेवर एयरपोर्ट में इसे ऑटोमेटिक तरीके से एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जाएगा। इसमें नई तकनीक का इस्तेमाल होगा। बोर्ड बैठक के बाद अधिकारियों ने बेल्जियम के लीस एयरपोर्ट, एम्स्टर्डम के शिफोल एयरपोर्ट और स्विटजरलैंड के ज्यूरिख एयरपोर्ट का दौरा किया। यहां की सुरक्षा, इमिग्रेशन और कॉमन होल्डिंग एरिया समेत काफी इलाकों को देखा गया। यात्रियों के सामान ढुलाई, तकनीकी, पार्किंग और वेएरिया आदि का भी जायजा लिया।